नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक :25.08.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़ गोरखपुर में रानी पद्मिनी जौहर दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित श्रदांजली सभा में व्याख्यान देते हुए प्राचीन इतिहास के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि रानी पद्मिनी राजपूत नारियों सहित अपने कुल, धर्म, समाज तथा परम्परा मर्यादा की रक्षा के लिए जौहर की ज्वाला में कूद पड़ीं उनको देखते–देखते सोलह सौ राजपूत नारिया जौहर चिता में जल कर अपने प्राणों की आहुति दे दी। यह जौहर भारतवासियों को यह याद दिलाती रहेगी कि भारत की नारियों के लिए उनका सम्मान सर्वोपरि है। जौहर के ज्वालाओं की कीर्ति आज भी अमर है और सदियों तक आने वाली पीढ़ी को गौरवपूर्ण आत्म बलिदान की प्रेरणा प्रदान करती रहेगी। श्री सुबोध मिश्र ने कहा कि दिल्ली सुल्तान अल्लाउद्दीन खिलजी जब 8 माह के युद्ध के बाद भी चित्तौड़ पर विजय प्राप्त नहीं कर सका तो लौट गया और दूसरी बार उसने छल से राज रतन सेन को बन्दी बनाया और उनको लौटाने की शर्त के रूप में रानी पद्मिनी को मांगा। तब रानी की ओर से भी बदलकर पालकीयों में पद्मिनी की सखियों के रूप में जा कर राजा रतन सेन को मुक्त कराया गया। इस छल का पता चलते ही खिलजी ने प्रबल आक्रमण किया सारे राजपूत योद्धा वीरगति को प्राप्त हुए परन्तु रानी पद्मिनी सोलह सौ रानीयों के साथ जौहर ले लिया। अलाउद्दीन खिलजी को राख के सिवा कुछ नहीं मिला। श्री सुबोध मिश्र ने बताया कि रानी को अपनी नही पूरे मेवाड़ की चिन्ता थी सम्पूर्ण भारतीय परम्परा की चिंता थी। श्री सुबोध मिश्र ने श्याम नारायण पाण्डेय द्वारा रचित 'जौहर' काव्य पाठ कर वीरांगना चरित्र को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, श्री नन्दन शर्मा, सुश्री दीप्ती गुप्ता, सुश्री नूपूर शर्मा, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ. विजय कुमार चौधरी महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी